E-mail: justiceambit@gmail.com

E-mail: legalambit.ho@gmail.com

PRGI No: RJBIL/26/A2945

जस्टिस एम्बिट

नागौर से प्रकाशित...

हिन्दी एवं English मासिक

सत्य | न्याय | अधिकार

पढ़े.... 2

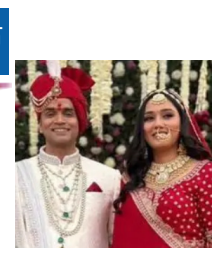

पढ़े.... 3

सूचना का अधि... | वर्षः 01 | अंकः 02 | नागौर, सोमवार 01 जून, 2026 | मूल्यः 10.00 रुपए | पृष्ठः 8 | द्विशा केस...

झूठे जाति प्रमाण पत्र पर सुप्रीम कोर्ट सख्त...

"अतीत के पापों की छाया लंबी होती है" : सर्वोच्च न्यायालय

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय नेमदन गोपाल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्यमामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी लाभ हासिल करना गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में उम्र या व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती।

Supreme Court of India की न्यायमूर्ति Sanjay Kumar और न्यायमूर्ति K. Vinod Chandran की खंडपीठ ने2026 INSC 501में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए FIR रद्द करने से इनकार कर दिया।

क्या है मामला?

मामले के अनुसार अपीलकर्ता मदन गोपाल, जो एक सेवानिवृत्त इंजीनियर हैं, ने वर्ष 1984 में मल्लाह जाति के **OBC** प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी सेवा में नियुक्ति प्राप्त की थी। लेकिन लगभग नौ वर्ष बाद, 1993 में उन्होंने स्वयं को मझवार समुदाय का सदस्य बताते हुए अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। जांच के दौरान कालपी तहसीलदार की रिपोर्ट में सामने आया कि प्रस्तुत प्रमाण पत्र पर जारी करने का क्रमांक तक नहीं था और वह तहसील कार्यालय से जारी ही नहीं हुआ था। इसके बाद वर्ष 2004 में एफआईआर दर्ज की गई।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरक्षण व्यवस्था समाज के वंचित वर्गों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए बनाई गई है।

यदि कोई व्यक्ति झूठे दस्तावेजों के माध्यम से इन लाभों को हासिल करता है, तो वह वास्तविक पात्र लोगों के अधिकार छीनता है। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा — अतीत के पापों की छाया लंबी होती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अपीलकर्ता की अधिक उम्र या व्यक्तिगत कठिनाइयाँ आपराधिक कार्यवाही समाप्त करने का आधार नहीं बन सकतीं।

हाईकोर्ट का आदेश सही

अपीलकर्ता ने दंड प्रक्रिया संहिता (**CrPC**) की धारा 482 के तहत इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्नढ्ढक्र रद्द करने की मांग की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी उस निर्णय को सही ठहराया है।

कानूनी महत्व

यह फैसला उन मामलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां फर्जी जाति प्रमाण पत्र के जरिए नौकरी, पदोन्नति या आरक्षण का लाभ लेने के आरोप लगते हैं। कोर्ट ने पुनः स्पष्ट किया कि ऐसी धोखाधड़ी संविधान की सकारात्मक कार्रवाई (**Affirmative Action**) की भावना के खिलाफ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय भविष्य में फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामलों में सख्त कार्रवाई का आधार बनेगा और वास्तविक लाभार्थियों के अधिकारों की रक्षा करेगा।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी लाभ हासिल करना गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में उम्र या व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती।

-सुप्रीम कोर्ट

संपत्ति विवाद में एफआईआर नहीं बनेगी हथियार

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: दीवानी लड़ाई को आपराधिक केस में बदलना कानून का दुरुपयोग

नई दिल्ली/ विशेष रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में साफ कर दिया है कि जमीन और संपत्ति से जुड़े दीवानी विवादों को आपराधिक मुकदमों का रूप देकर किसी व्यक्ति को परेशान नहीं किया जा सकता। सुनीषा आनंद बनाम हरियाणा राज्य एवं अन्य (2026 INSC 494) मामले में अदालत ने FIR रद्द करते हुए कहा कि कानून का इस्तेमाल दबाव और प्रतिशोध के साधन के रूप में नहीं होना चाहिए।

यह फैसला न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति. विनोद चंद्रन की खंडपीठ ने 11 मई 2026 को सुनाया।

प्रमुख बिंदु

सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर रद्द की
जीपीए पर स्वयं हस्ताक्षर होने पर 'फर्जी' नहीं माना
दीवानी विवाद को आपराधिक केस बनाने पर रोक
बिना नए सबूत पूरक एफआईआर गलत
संपत्ति विवादों में कानून के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

खुद के हस्ताक्षर वाला जीपीए फर्जी कैसे?

मामला फरीदाबाद की विवादित जमीन और 'जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी' (**GPA**) के जरिए संपत्ति हस्तांतरण से जुड़ा था। आरोप लगाया गया था कि सुनीषा आनंद और उनकी मां ने कथित तौर पर फर्जी **GPA"** तैयार कर जमीन बेची। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जब **GPA** पर हस्ताक्षर स्वयं मां और बेटी ने किए हैं, तो उसे फर्जी दस्तावेज या जालसाजी नहीं कहा जा सकता।

अदालत ने टिप्पणी की

'यदि दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर वास्तविक हैं, तो केवल संपत्ति विवाद के कारण उसे फर्जी नहीं ठहराया जा सकता।'

दीवानी विवाद को अपराध का रंग देना गलत

सुनवाई के दौरान अदालत के सामने यह तथ्य आया कि विवादित भूमि को लेकर पहले से ही दीवानी मुकदमा लंबित था। इसके बावजूद उसी विवाद को आधार बनाकर आपराधिक स्नढ्ढक्र दर्ज कराई गई। सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा: सिविल विवादों में आपराधिक कानून का सहारा लेकर दबाव बनाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। अदालत ने माना कि यदि किसी ने अपने अधिकार से अधिक जमीन बेच दी, तो यह अधिकतम दीवानी विवाद हो सकता है, लेकिन हर स्थिति में धोखाधड़ी या जालसाजी का मामला नहीं बनता।

पूरक FIR पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त

मूल एफआईआर में सुनीषा आनंद को आरोपी नहीं बनाया गया था। बाद में पूरक रिपोर्ट के जरिए उन्हें आरोपी बना दिया गया, जबकि जांच में कोई नई सामग्री सामने नहीं आई थी।

इस पर अदालत ने सवाल उठाते हुए कहा कि: बिना नए सबूत के पूरक एफआईआर उचित नहीं,

किसी व्यक्ति को केवल विवाद में घसीटने के लिए आरोपी नहीं बनाया जा सकता।

अदालत ने अपने पुराने फैसलेमरियम फसीहुद्दीन बनाम राज्यका भी हवाला दिया।

फैसले के दूरगामी असर

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार यह फैसला भविष्य में उन हजारों मामलों में राहत देगा, जहां: जमीन विवाद को आपराधिक रंग दिया जाता है, पारिवारिक संपत्ति मामलों में धोखाधड़ी की धाराएं जोड़ दी जाती हैं, पुलिस एफआईआर के जरिए दबाव बनाने का माध्यम बनती है। यह फैसला स्पष्ट संदेश देता है कि हर संपत्ति विवाद अपराध नहीं होता।

'कोर्ट नहीं मानेंगे!' ...

सोशल मीडिया अभियान पर फूटा दिल्ली हाईकोर्ट का गुस्सा, नेताओं पर अवमानना की तलवार

विशेष रिपोर्ट/JUSTICE AMBIT

नई दिल्ली। क्या कोई नेता खुलेआम अदालत को चुनौती दे सकता है? क्या सोशल मीडिया पर जजों को राजनीतिक एजेंट बताकर न्यायपालिका की साख गिराना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है? इन्हीं सवालों के बीच Delhi High Court ने एक ऐसा ऐतिहासिक कदम उठाया है, जिसने देश की राजनीति और न्यायपालिका के बीच नई बहस छेड़ दी है। 14 मई 2026 को माननीय न्यायमूर्ति स्वर्णाकांत शर्मा की अदालत ने स्वत: संज्ञान लेते हुए आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू कर दी। मामला जुड़ा है दिल्ली आबकारी नीति केस से, लेकिन अब यह केवल एक मुकदमा नहीं रहा – यह न्यायपालिका बनाम डिजिटल ट्रायल बन चुका है।

'फैसला पहले से तय है' — कोर्ट के खिलाफ खुला मोर्चा

अदालत के सामने लंबित मामले में कुछ नेताओं ने न्यायाधीश को हटाने (**Recusal**) की मांग की थी। कोर्ट ने 20 अप्रैल 2026 को विस्तृत आदेश देकर इन मांगों को खारिज कर दिया। लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने अदालत को कठोर कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार: अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पत्र जारी कर कहा कि इस अदालत से किसी को न्याय की उम्मीद नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी कहा कि फैसला पहले से तय है। साथ ही घोषणा की गई कि वे न स्वयं और न ही अपने वकील को अदालत में पेश करेंगे। इसके बाद मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक समेत अन्य नेताओं ने भी इसी तरह के पोस्ट और वीडियो साझा किए।

'RSS से प्रमोशन' – एडिटेड वीडियो से भड़का विवाद

मामले का सबसे विस्फोटक हिस्सा वह वीडियो बना, जिसमें न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के एक पुराने व्याख्यान को कथित रूप से एडिट करके वायरल किया गया। वीडियो के जरिए यह नैरेटिव फैलाया गया कि: जजों को आरएसएस कार्यक्रमों में भाग लेने के कारण प्रमोशन मिलता है। कोर्ट ने इस सामग्री को भ्रामक, झूठा, और न्यायपालिका को बदनाम करने वाला बताया।

JUSTICE AMBIT ANALYSIS

यह मामला केवल एक कोर्ट ऑर्डर नहीं है। यह सवाल है:

● क्या सोशल मीडिया अदालत से ऊपर हो सकता है? ● क्या राजनीतिक बयानबाजी न्यायपालिका की सीमाएं लांघ सकती है? ● और क्या डिजिटल ट्रायल अब अदालतों को प्रभावित करने का नया हथियार बन चुका है?

दिल्ली हाईकोर्ट का यह आदेश आने वाले समय में सोशल मीडिया, राजनीति और न्यायपालिका के रिश्तों की नई परिभाषा तय कर सकता है।

अदालत ने माना कि यह केवल आलोचना नहीं, बल्कि संस्थागत हमले की श्रेणी में आता है।

हाईकोर्ट की दो टूक चेतावनी

अपने आदेश में अदालत ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा: अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि न्यायपालिका की विश्वसनीयता को नष्ट करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाए जाएं। कोर्ट ने कहा कि यदि जनता का न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की पूरी संरचना खतरे में पड़ सकती है।

अदालत ने क्या कहा कानून पर?

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि: न्यायपालिका की आलोचना की जा सकती है, फैसलों पर सवाल उठाए जा सकते हैं, लेकिन जजों को राजनीतिक एजेंट बताना, अदालत का बहिष्कार करना, और जनता के बीच अविश्वास फैलाना, सीधे-सीधे आपराधिक अवमानना की सीमा में आ सकता है।

कौन-कौन आए घेरे में?

अदालत ने जिन लोगों की गतिविधियों पर गंभीर सवाल उठाए, उनमें प्रमुख नाम हैं...

- Arvind Kejriwal
- Manish Sisodia
- Durgesh Pathak
- Sanjay Singh
- Saurabh Bharadwaj

बड़े फैसलों का हवाला

अदालत ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के कई ऐतिहासिक फैसलों का उल्लेख किया, जिनमें... Brahma Prakash Sharma v. State of Uttar Pradesh • Prashant Bhushan Contempt Case प्रमुख हैं।

अब आगे क्या?

दिल्ली हाईकोर्ट ने मूल केस को दूसरी बेंच के पास भेजने का आदेश दिया है, लेकिन अवमानना की कार्यवाही जारी रहेगी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अदालत इन टिप्पणियों को सुनियोजित न्यायिक हमला मानती है, तो संबंधित नेताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई संभव है।

सम्पादक की कलम से...

सूचना का अधिकार (RTI): लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

महावीर प्रसाद पारीक
चीफ एडीटर

मेरी लेखनी

लोकतंत्र केवल मतदान का नाम नहीं है, बल्कि जनता को शासन की कार्यप्रणाली जानने और उस पर निगरानी रखने का अधिकार भी देता है। भारत में वर्ष 2005 में लागू हुआ सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI Act, 2005) आम नागरिकों को सरकार और सार्वजनिक संस्थाओं से जानकारी प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है। यही कारण है कि RTI को लोकतंत्र की रीढ़ और जनता का सबसे प्रभावी हथियार माना जाता है।

आज जब देश में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है, तब RTI आम नागरिक के हाथ में वह साधन बन चुका है जिसके माध्यम से वह सरकारी योजनाओं, खर्चों, नियुक्तियों, निर्माण कार्यों और प्रशासनिक निर्णयों की जानकारी प्राप्त कर सकता है। RTI ने भ्रष्टाचार के अनेक मामलों को उजागर किया है तथा प्रशासन को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाया है।

हालांकि, यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि RTI कार्यकर्ताओं को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कई बार उन्हें ब्लैकमेलर, शिकायतकर्ता या व्यवस्था विरोधी कहकर बदनाम करने का प्रयास किया जाता है। देशभर में अनेक RTI कार्यकर्ताओं पर हमले हुए हैं और कई ने अपने जीवन तक की आहुति दी है। इसके बावजूद वे जनहित और पारदर्शिता की लड़ाई को जारी रखे हुए हैं। यह उनकी लोकतंत्र के प्रति निष्ठा और साहस का प्रमाण है। RTI का उद्देश्य किसी व्यक्ति या अधिकारी को परेशान करना नहीं, बल्कि शासन में पारदर्शिता स्थापित करना है। यदि प्रत्येक नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर जिम्मेदारी से RTI का उपयोग करे तो भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जनोन्मुखी बनाया जा सकता है।

लीगल अंबिट के राष्ट्रीय अध्यक्ष Rao Dhanbir Singh का मानना है कि सूचना का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है। जब नागरिकों को जानकारी प्राप्त करने का अधिकार मिलता है, तभी शासन वास्तव में जनता के प्रति जवाबदेह बनता है। RTI केवल एक कानून नहीं, बल्कि सुशासन और पारदर्शिता की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि RTI को और अधिक मजबूत बनाया जाए, सूचना मांगने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा सरकारी विभागों में स्वप्रेरणा से अधिकतम सूचनाएं सार्वजनिक की जाएं। जब जानकारी जनता के पास होगी, तभी लोकतंत्र सशक्त होगा और संविधान में निहित जनकल्याणकारी शासन की भावना साकार हो सकेगी। RTI केवल सूचना प्राप्त करने का अधिकार नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष, पारदर्शिता की स्थापना और लोकतंत्र को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है।

देश में युवाओं का बढ़ता आक्रोश हमें कुछ बताता है

आज सब तरफ कॉकरोच शब्द की चर्चा है। किन्तु इसके हमारे राजनीतिक शब्दकोश का हिस्सा बनने से बहुत पहले ही मैं इस शब्द का उपयोग करता आ रहा हूं। ईश्वर न करे, लेकिन कल किसी परमाणु विस्फोट में दुनिया नष्ट हो जाए, तब भी केवल कॉकरोच ही जीवित बचेंगे। एक ग्रेट-सर्वाइवर से राजनीतिक प्रतिरोध के प्रतीक तक, कॉकरोचों ने एक लंबी यात्रा तय की है। कॉकरोच जनता पार्टी या सीजेपी का उदय उस व्यवस्था के प्रति बढ़ते जनाक्रोश को दर्शाता है, जो इतनी खण्डित हो चुकी है कि प्रदर्शनकारियों को लोकतंत्र पर मंडराते खतरों की ओर संकेत करने के लिए एक कीड़े की छवि का सहारा लेना पड़ा है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जिसमें नेतागण सम्राटों की तरह व्यवहार करने लगे हैं और विपक्ष कोई विश्वसनीय चुनौती पेश नहीं कर पा रहा है। इसी शून्य में कॉकरोच रेंगता हुआ प्रवेश करता है- एक ऐसा प्राणी, जिससे हमें घृणा करना और डरना सिखाया गया है, फिर भी जो हर तरह की विपत्ति के बीच जीवित रहने की क्षमता रखता है। यह तथ्य कि एक अपेक्षाकृत अनजान पोलिटिकल कम्युनिकेशन स्ट्रैटेजिस्ट द्वारा किसी अमेरिकी विश्वविद्यालय में बैठकर शुरू किया गया एक व्यंग्यात्मक आंदोलन अचानक सत्ता गलियारों में बेचैनी पैदा कर दे, अपने आप में बहुत कुछ बताता है। आखिर एक शक्तिशाली राष्ट्र को मुख्य न्यायाधीश की गैर-जरूरी टिप्पणी से उपजे ऑनलाइन-आंदोलन से चिंतित क्यों होना चाहिए? भारत के बेरोजगार युवाओं का मानो उपहास करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने अनजाने में एक तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दे दिया : क्रोध, अलगाव और व्यंग्य से संचालित एक डिजिटल विद्रोह। तब से लाखों युवा भारतीय इसके इर्द-गिर्द एकजुट हो चुके हैं। इस पूरी घटना को विशेष रूप से दिलचस्प बनाने वाली बात यह है कि सीजेपी वास्तव में कोई राजनीतिक दल नहीं है। उसका न कोई नेता है, न कार्यालय, न कार्यकर्ता-तंत्र, न कोई संगठनात्मक ढांचा। 1.5 अरब की आबादी और असाधारण विविधता वाले इस देश में केवल साइबर-स्पेस में मौजूद एक आंदोलन को सिद्धांतत: यथास्थिति के लिए खतरा नहीं होना चाहिए। फिर भी खतरा क्यों महसूस किया जा रहा है? सीजेपी पर विदेशी फंडिंग से संचालित होने का आरोप लगाया जा रहा है। झूठा दावा किया जा रहा है कि उसके अनेक समर्थक पाकिस्तानी हैं। उसके सोशल मीडिया हैंडल्स को ब्लॉक किया जा रहा है। कुछ लोगों ने तो उसे आम आदमी पार्टी का प्रॉक्सी सिद्ध करने की भी कोशिश की। यह सब एक प्रकार की संशयग्रस्त मानसिकता को उजागर करता है। इस घबराहट के पीछे कई कारण हैं। अव्वल तो यही कि यह काफी हद तक नैरेटिव को कंट्रोल करने का दौर है। इस दौर का राजकाज चौबीसों घंटे चलने वाले किसी विज्ञापन-अभियान जैसा प्रतीत होता है उपलब्धियों का प्रचार करो, विफलताओं को दबा दो, नारे बदलो और आगे बढ़ जाओ। करोड़ों नौकरियां जिनका वादा किया गया था नहीं मिलीं, किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, पेपर लीक लगातार जारी हैं- लेकिन नैरेटिव-प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि आम धारणा, प्रदर्शन पर भारी पड़े। ऐसे में यह चीज परेशान करने वाली लग सकती है कि इंटरनेट के ये कॉकरोच किसी लिखी हुई पटकथा का पालन करने से इंकार कर रहे हैं। दूसरे, युवाओं का आक्रोश चुनावी दृष्टि से महत्व रखता है। ऊंची जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों और उग्र राष्ट्रवाद के शोर के पीछे एक ऐसी पीढ़ी मौजूद है, जो गहरी असुरक्षा से जूझ रही है।

"लॉग बुक का खेल: कागज़ों में दौड़ी गाड़ियां, सड़क पर नहीं!"

रिपोर्टर स्पेशल/
लाडनूं, डीडवाना-कुचामन

सरकारी गाड़ी चली... लेकिन क्या सच में चली? या सिर्फ कागज़ों में किलोमीटर दौड़ाए गए? लाडनूं तहसील में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां सूचना के अधिकार (RTI) से मिले दस्तावेज़ एक बड़े खेल की ओर इशारा कर रहे हैं...

जांच की शुरुआत

यह पूरा मामला तब सामने आया जब **RTI** के जरिए सरकारी दौरों की लॉग बुक, दूरी और भुगतान रिकॉर्ड प्राप्त किए गए। जब इन दस्तावेजों की ज़मीनी हकीकत से तुलना की गई, तो कई जगह गंभीर अंतर (**discrepancy**) सामने आए। अख़बार/टीम के पास इन सभी दस्तावेजों की कॉपी सुरक्षित है।

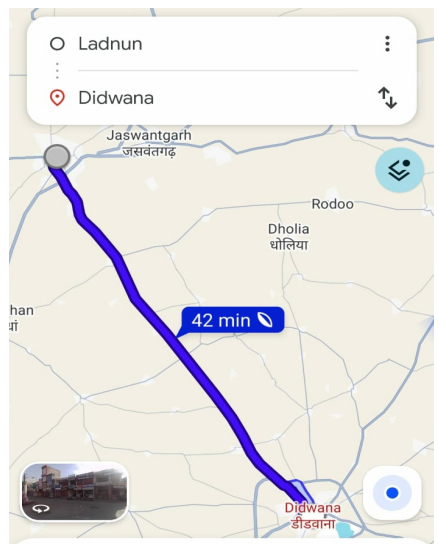

केस 1 : 26 अप्रैल 2025

कागज़ों में लंबा सफर जमीन पर छोटा रास्ता
वास्तविक दूरी: 74किमी. (आना-जाना)
लॉग बुक में... 119 किमी.
अंतर: 45 किमी.
सवाल: 45 किमी. अतिरिक्त कहां से आए?

केस 2 : 27 अप्रैल 2025

फिर वही पैटर्न: दूरी बढ़ी, खर्च बढ़ा
वास्तविक दूरी: 58 किमी.
लॉग बुक: 92 किमी.
अंतर: 34 किमी.
क्या यह सिर्फ गलती है... या एक सिस्टमेटिक पैटर्न?

केस 3 : 2 मई 2025

सबसे बड़ा खुलासा
वास्तविक दूरी: 110 किमी.
लॉग बुक: 189 किमी.
अंतर: 79 किमी.
यही नहीं, यही पैटर्न हर दौरे में दोहराया गया।

केस 4 : 8 अप्रैल 2025 (डीडवाना)

वास्तविक दूरी: 66 किमी.
दर्ज दूरी: 92 किमी.
अंतर: 26 किमी.

केस 5 : 12 अप्रैल 2025 (डीडवाना)

वास्तविक दूरी: 66 किमी.
दर्ज दूरी: 176 किमी.
अंतर: 110 किमी.
सबसे बड़ा खुलासा
एक ही रूट (लाडनूं-डीडवाना) पर...
एक बार: 92 किमी.
दूसरी बार: 176किमी.
जबकि वास्तविक दूरी: 66 किमी.

जांच में सामने आया ट्रेंड

दूरी हमेशा ज्यादा दिखाई गई, राउंड ट्रिप में भी अतिरिक्त किलोमीटर जोड़े गए, हर केस में एक जैसा पैटर्न यह संकेत देता है कि मामला सिर्फ गलती नहीं, बल्कि सुनियोजित हो सकता है (आरोप/संदेह) ग्राउंड रियलिटी चेक (स्टिंग एंगल) टीम ने संबंधित मार्गों की वास्तविक दूरी की जांच की...

- स्थानीय स्रोत
- मैपिंग
- रूट वेरिफिकेशन

सभी जगह दूरी RTI रिकॉर्ड से मेल खाती है, लेकिन लॉग बुक से नहीं।

प्रशासनिक पक्ष

रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले संबंधित अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन जवाब प्राप्त नहीं हो सका। उनका पक्ष मिलने पर प्रकाशित किया जाएगा।

बड़ा सवाल

क्या सरकारी गाड़ियों का गलत इस्तेमाल हुआ? क्या फर्जी किलोमीटर दिखाकर भुगतान लिया गया? क्या इसमें और लोग शामिल हैं?

अभी और खुलासे बाकी

जांच यहीं खत्म नहीं होती

कई और दौरों की जांच जारी, और **RTI** आवेदन लगाए गए और दस्तावेज़ सामने आने की संभावना यह सिर्फ शुरुआत है... जनता की मांग, उच्च स्तरीय जांच, वित्तीय ऑडिट, दोषियों पर कार्रवाई

GPS ट्रैकिंग लागू हो

कागज़ों में दौड़ी गाड़ियां... अब सच सड़क पर आ चुका है... सवाल सिर्फ किलोमीटर का नहीं, जनता के पैसे का है... यह रिपोर्ट **RTI** से प्राप्त दस्तावेज़ों और उपलब्ध रिकॉर्ड पर आधारित है। सभी आरोप प्रारंभिक जांच के आधार पर हैं। संबंधित पक्ष का जवाब मिलने पर प्रकाशित किया जाएगा।

4 दिन में दूरी दोगुनी

पैटर्न क्या कहता है?
हर दौरे में दूरी अधिक दिखाई गई राउंड ट्रिप में अतिरिक्त किलोमीटर, एक ही रूट में अलग-अलग एंट्री, ओडोमीटर और रिकॉर्ड में अंतर...

विद्युत निगम की तत्परता से तूफान के बाद पंप हाउसों की हुई मरम्मत, पेयजल आपूर्ति हुई बहाल

नागौर। शनिवार को नागौर जिले में आए तेज तूफान के कारण कई स्थानों पर विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। इसका असर जिले की पेयजल व्यवस्था पर पड़ा और कई महत्वपूर्ण पंप हाउसों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई।

तूफान के कारण नागौर लिफ्ट पेयजल योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत विशेष रूप से भेड़ एवं खींवसर पंप हाउस की 33 केवी फीडर लाइन पूरी तरह प्रभावित हो गई थी ।

वहीं द्वितीय चरण में जोधियासी एवं जायल फीडरों में तकनीकी समस्याएं आने से नागौर जिले के जायल और डेगाना क्षेत्र सहित पूरे डीडवाना-कुचामन जिले की जलापूर्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। इसके अतिरिक्त रोहिणी, डेह, बामना, मालगांव, लगोर, हरसौर सहित लगभग 12 पंप हाउसों की विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई थि। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के बीच समन्वय स्थापित कर त्वरित

कार्रवाई की गई। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की टीमों ने पेयजल आपूर्ति के लिए प्रभावित पंप हाउसों पर बिजली बहाली करी। विद्युत निगम के कार्मिकों ने बीति रात और रविवार सुबह कार्य कर क्षतिग्रस्त लाइनों की मरम्मत करी , जिससे रविवार दोपहर 12 बजे तक जलापूर्ति से जुड़े सभी प्रमुख पंप हाउसों पर विद्युत आपूर्ति प्रारंभ हो गई । विभागों के इस तरह से आपसी समन्वय बनाकर जल्द ही समस्या का समाधान करने आमजन प्रसन्न हुए और प्रशासन का धन्यवाद दिया ।

डिजिटल दुनिया में खोता 'बचपन'

एक समय था, जब गांवों और शहरों की गलियां शाम ढलते ही बच्चों की किलकारियों से गूंज उठती थीं। कहीं क्रिकेट की पिच सजती थी, कहीं फुटबॉल का मुकाबला चलता था तो कहीं सितोलिया, कबड्डी और साइकिल रेस का रोमांच दिखाई देता था। बच्चे घंटों तक मैदानों में दौड़ते-भागते रहते थे और मां की आवाज सुनाई देती थी- अंधेरा हो गया, अब घर आ जाओ लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज बच्चों के कदम मैदानों की ओर कम और मोबाइल स्क्रीन की ओर ज्यादा बढ़ रहे हैं। आउटडोर खेलों की जगह मोबाइल गेम्स ने ले ली है। पहले बच्चों के हाथों में बल्ला, गेंद और साइकिल दिखाई देती थी, अब मोबाइल और टैबलेट नजर आते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार लगातार बढ़ता स्क्रीन टाइम बच्चों की आंखों, दिमाग और शरीर तीनों पर नकारात्मक असर डाल रहा है। कम उम्र में ही बच्चों में मोटापा, आंखों की कमजोरी, गर्दन दर्द, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता की कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

मोबाइल की लत के साथ-साथ जंक फूड भी बच्चों की सेहत को कमजोर बना रहा है। पिज्जा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक, चिप्स, कुरकुरे और पैकेट फूड अब बच्चों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। पौष्टिक भोजन से दूरी के कारण बच्चों का शारीरिक विकास प्रभावित हो रहा है। पहले बच्चे घर का बना खाना खाकर मैदानों में पसीना बहाते थे, जिससे उनका शरीर मजबूत रहता था। अब लंबे समय तक बैठे रहने और गलत खानपान की वजह से बच्चों का स्टेमिना तेजी से घट रहा है। थोड़ी देर दौड़ने या खेलने पर ही बच्चे थक जाते हैं।

जस्टिस एम्बिट
सत्य | न्याय | अधिकार

के भव्य शुभारंभ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Legal Ambit Team

SC Adv. Sumitra Choudhary
National President (WW)

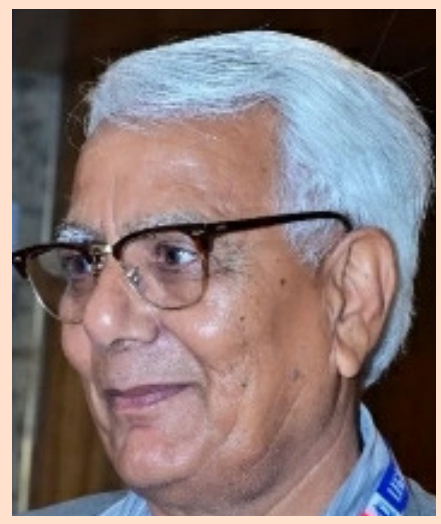

Rav Dhanbeer Singh
National President

Mahaveer Pareek
Founder & CEO

Sardar Tara Singh
Founder & Legal Head

Jugal Singodiya
Founder

Rattiram Gurjar
Midea Head

Akshya Goswami
National General Secretary

Adv. Manish Kumar
State Head CG

Jaypal Khichi
State Head MP

Suresh Morya
State Head GJ

Pradeep Gupta
General Secretary UP State

Rajbeer Singh Hora
General Secretary MP State

Vinod Gotra
Midea Head (UP State)

Mahaveer Gupta
State Voice President RJ

Alok Yadav
Dist.President Udaipur

Nathu Lal Sharma
Dist.President Dausa

Bundel Singh
Dist.President Shivpuri MP

Harvir Singh Chouhan
Dist. Voice President MP

Nimb Singh Bhati
Dist.President Jaisalmer

राजस्थान में फिर रेतीला बवंडर उठा, दिन में अंधेरा छाया

यूपी-छत्तीसगढ़ में आंधी-बारिश से 5 की मौत, पंजाब में घर की छत गिरी

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। राजस्थान के जैसलमेर में रविवार शाम को फिर से रेतीला बवंडर उठा। इससे दिन में अंधेरा छा गया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आसमान में दूर से ही धूल का गुबार उठता दिखाई दिया, जो धीरे-धीरे आगे बढ़ा। इससे पहले शनिवार दोपहर 3 बजे राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में रेतीला तूफान आया था। इसका असर करीब 200 वर्ग किलोमीटर के इलाके में रहा। रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी। इस दौरान 56किमी. की रफ्तार से आंधी चली। उत्तर प्रदेश के अमरोहा, लखनऊ, संभल, मुरादाबाद, हाथरस, गोंडा और बलरामपुर में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। लखनऊ में बारिश के दौरान दीवार गिरने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। लखीमपुर खीरी में आंधी के कारण दीवार ढहने से 7 साल के बच्चे की जान चली गई। पंजाब में सुबह करीब 4 बजे तेज बारिश और आंधी के कारण एक मकान की छत ढह गई। दो सगे भाई मलबे में दब गए। दोनों घायल हैं। छत्तीसगढ़ के कोरबा में शनिवार को बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़े 3 युवकों पर डाल गिर गई। तीनों की मौत हो गई।

राजस्थान में गर्मी कम हुई, पारा 40डिग्री से नीचे:खराब मौसम से केदारनाथ यात्रा 3 घंटे रुकी रही

जयपुर। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा में पिछले 15 दिन से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली है। आंधी, बारिश और ओले गिरने से इन राज्यों में पारा 40डिग्री से नीचे पहुंच गया है। आज भी हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत 8 राज्यों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड में खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा 3 घंटे तक रुकी रही। हालांकि, शनिवार को देश के 36 शहरों में पारा 40डिग्री से ज्यादा रहा। महाराष्ट्र के विदर्भ में तापमान अभी भी 44डिग्री से ज्यादा है। यहां का चंद्रपुर (चांदा) 44.8डिग्री तापमान के साथ देश में सबसे गर्म रहा। शनिवार को राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में शनिवार दोपहर 3 बजे रेतीला तूफान आया।

बंगाल में बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

स्थानीय बोले- अब चैन से सो सकेंगे, बांग्लादेशी हमारी फसल नहीं काट पाएंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाडा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95% लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है।

स्थानीय बोले- शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में नहीं जा पाते थे

स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब उनसे विवाद न हुआ हो, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि बीएसएफ ने फेंसिंग लगानी शुरू कर दी है। वहां से जैसे कोई हरकत होती, जवान माइक से चेतावनी दे देते। इसलिए हमें उम्मीद रहती है कि रात को जैसी फसल छोड़ेंगे, सुबह वैसी मिलेगी। अब तो हम भी अराजक बांग्लादेशियों को ताल ठोककर चुनौती दे रहे हैं।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर सुरक्षित रास्ता तलाश रही सरकार

दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव; पहले 20 राज्यों के चुनाव एक साथ करने पर विचार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े। पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने का विकल्प सबसे व्यावहारिक माना जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। संयुक्त संसदीय समिति की अवधि 2026 के मानसून सत्र तक बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में 2029 से चुनावी चक्र एक करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहीं, 2034 तक पूरे देश को साझा चुनावी चक्रमें लाने का लक्ष्य है।

संविधान में गुंजाइश है, लेकिन सहमति पर जोर

लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं। कुछ राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कार्यकाल बढ़ाने के विकल्प भी हैं। भारत में पहले भी विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल में बदलाव किए गए हैं। हालांकि किसी भी व्यापक बदलाव के लिए संसद द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधान और राजनीतिक सहमति जरूरी होगी।

जनरल सुब्रमणि ने देश के नए सीडीएस का पदभार संभाला

पाकिस्तान-चीन मामलों के एक्सपर्ट हैं; असली टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करना होगा

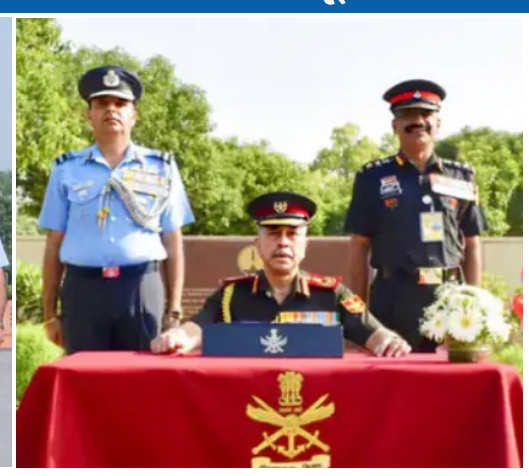

नई दिल्ली। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को पदभार संभाल लिया। दिल्ली में उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे देश के तीसरे ष्टष्ठस्है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल चौहान शनिवार को रिटायर हुए थे। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय और सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं। उन्होंने कहा, भारतीय सेना में स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के अपडेशन, उनकी खरीद और इस्तेमाल को तेज किया जाएगा। सेना की ताकत बढ़ाने के लिए नई सोच और नए तरीकों को अपनाया जाएगा।

CDS सुब्रमणि का पहला टास्क सेना का थिएटर कमांड सिस्टम

नए सीडीएस सुब्रमणि के सामने पहला टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करने को होगा। दरअसल एक दिन पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए कहा था कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुडी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है। जनरल द्विवेदी ने उम्मीद जताई कि अगले 2 से 3 साल में यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर लागू होती दिखाई दे सकती है, इसके लिए तीनों सेनाओं के प्रमुख हितों का ध्यान रखा जाए। अभी भारत में तीनों सेनाओं के अलग-अलग कुल 17 कमांड हैं। किसी सैन्य अभियान के दौरान तीनों सेनाएं मिलकर काम तो करती हैं, लेकिन उनकी कमान अलग-अलग रहती है। थिएटर कमांड व्यवस्था में किसी क्षेत्र या मिशन के लिए एक ही कमांडर होगा। इसके सेना की तीनों यूनिट्स एक साथ काम करेंगी।

पढ़ाई और ट्रेनिंग

एनएस राजा सुब्रमणि ने दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स से सेना में कमीशन लिया था। उन्होंने नेशनल डिफेंस अकादमी से सैन्य प्रशिक्षण हासिल किया। इसके बाद वे ब्रिटेन के ब्रैकनेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज भी गए। भारत लौटने के बाद उन्हें माउंटेन ब्रिगेड में ब्रिगेड मेजर की जिम्मेदारी दी गई। बाद में उन्होंने दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से पढ़ाई की। लंदन के किंग्स कॉलेज से मास्टर ऑफ आर्ट्स और मद्रास यूनिवर्सिटी से डिफेंस स्टडीज में एमफिल की डिग्री भी है।

40 साल का करियर

सुब्रमणि ने करीब 40 सालों तक सेना में सर्विस दी है। 2025 में वे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार थे। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच सेना उप-प्रमुख के रूप में कार्य किया था। जम्मू-कश्मीर के सांबा में 168 इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली। वेलिंगटन के डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में चीफ इंस्ट्रक्टर रहे। सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है।

मोदी बोले-दो दिन में 100एम का नेशनल-रिकॉर्ड तीन बार टूटा: गर्मी मिटाने के लिए देशी पेय पीते रहें, नीदरलैंड से 1000 साल पुरानी ताम्र पट्टिकाएं लाए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में गर्मी को लेकर बात की। पीएम ने कहा- हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है। पीएम ने कार्यक्रम में इस वक्त देश के दो चर्चित एथलीट की भी बात की। पीएम ने कहा- एक इवेंट जिसकी देशभर में बहुत चर्चा हो रही है, वह है 100 मीटर की रेस। महज दो दिनों के भीतर मेंस 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड तीन बार टूटा। जिन दो एथलीट्स ने ये कमाल दिखाया है वे हैं- गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर। दरअसल गुरिंदरवीर सिंह ने 23 मई को रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप सीनियर नेशनल एथलेटिक्स टूर्नामेंट की पुरुषों की 100 मीटर रेस 10.09 सेकेंड में पूरी की। वे भारत के सबसे तेज धावक बने। गुरिंदरवीर ने अपने प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को पीछे छोड़ा। पहले यह रिकॉर्ड अनिमेष के नाम था।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम की बड़ी बातें

1. गर्मी में देशी पेय जल पीते रहें: देशी पेय से आप भी परिचित हैं, अगर आप उत्तर भारत में जाएंगे तो काफी जगह आपको मिलेगा आम पन्ना, कच्चे आम का स्वाद, और गर्मी से राहत भी 7 पंजाब-हरियाणा जाइए तो लस्सी मिल जाएगी। राजस्थान और गुजरात में छाछ, जैसे हर खाने की साथी बन जाती है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत, उसकी तो बात ही क्या है - पेट भी भरे, ताकत भी दे। कोंकण और गोवा में कोकम शरबत, सोल कढ़ी। दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना, वो सिर्फ पेय नहीं, भारत के अलग-अलग क्षेत्रों की परंपरा का हिस्सा है।

2. गर्मी में आम खुशबू हर घर में: गर्मी आते ही एक और चर्चा हर घर में शुरु हो जाती है और वो है आम। हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद, अपनी खुशबू होती है। महाराष्ट्र और कोंकण का हापुस, अल्फांसो, गुजरात का केसर यह तो आमरस की जान है। उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा। दक्षिण भारत जाइए, तो बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल का हिमसागर, ओडिशा और आंध्र प्रदेश का सुवर्णरखा। यानी जगह बदलती है, आम का रूप-रंग और उसका स्वाद भी बदल जाता है। साथियों आम की ये यात्रा, अब गांव से ग्लोबल मार्केट तक भी पहुंच रही है। मैं आम की पैदावार से जुड़े अपने किसान भाई-बहनों की प्रशंसा करूंगा। आप देश की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए आम किसान नहीं बहुत विशेष हैं।

3. नीदरलैंड से चोल वंश की ताम्र पट्टिकाएं लाई गईं: बीते दिनों मुझे नीदरलैंड जाने का अवसर मिला। वहां एक विशेष समारोह में चोला काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गईं।

Suvendu Adhikari announces cabinet expansion, 35 ministers to take oath on Monday

The chief minister said governor RN Ravi will administer the oath at 11 am at the Lok Bhavan

Bengal chief minister Suvendu Adhikari announced that 35 ministers will be sworn in on Monday as part of the expansion of his cabinet. Adhikari said Governor RN Ravi will administer the oath at 11 am at the Lok Bhavan. "Tomorrow, a full-fledged Council of Ministers of the nationalist government elected by the people of West Bengal will be constituted," he said in a social media post on Sunday evening. "As part of the cabinet expansion, 35 ministers of the Government of West Bengal will take oath at Lok Bhavan at 11 am. Hon'ble Governor Shri RN Ravi will administer the oath of office to them at Lok Bhavan," he added. Adhikari took oath as the chief minister on May 9 after the BJP swept the assembly elections, ending the 15-year rule of the TMC. Along with Adhikari, four ministers took the oath that day. They were Agnimitra Paul, Nisith Pramanik, Ashok Kirtania and Kshudiram Tudu.

Qatar Charity (QC) has thanked donors for strong support of the Qurbani (Udhiyah) Project, implemented under its seasonal campaign 'The Greatest Days'. With the support of benefactors, the project was carried out during Eid Al Adha in 43 countries, including Qatar, bringing relief and joy to hundreds of thousands of vulnerable families. The organisation distributed meat from 45,763 sacrificial animals, benefiting more than 900,000 people, at a total cost of approximately QR30 million.

Oil prices rise more than 2% as Israel steps up incursion into Lebanon

BEIJING. Oil prices rose more than 2% in early trading on Monday after Israel ordered troops to move further into Lebanon ?in the battle with the Iranian-backed Hezbollah militant group, despite a ceasefire announced more ?than six weeks ago. U.S. crude futures rose $2.37 or 2.71% to $89.73 a barrel as of 0028 GMT. Brent futures rose $2.16 or 2.37% to $93.28 a barrel.

The Reuters Power Up newsletter provides everything you need to know about the global energy industry. Sign up here.

The stepped-up fighting, coming just after the U.S. hosted Israeli-Lebanon peace talks in Washington on Friday, dimmed expectations that the U.S. and Iran could soon announce an extension to their ceasefire agreement, ?which had driven Brent and WTI to settle down 1.8% and 1.7%, respectively, on Friday.

Advertisement · Scroll to continue

The Israel-Lebanon conflict has been the broadest spillover of the Iran war. It started on March 2 when Hezbollah began firing rockets and drones across the border into Israel to back its ally Iran.The two sides reached a ceasefire in mid-April but have continued to trade fire.

U.S. President Donald Trump said on Friday that he would soon decide on a proposed deal to extend a ceasefire with Iran announced in early April, giving negotiators more time to seek a permanent end to the conflict and find a solution to ?the underlying dispute over Iran's nuclear program. Israel would be key to any such deal, and Iran has also said ?repeatedly that Hezbollah must be included. Meanwhile, concerns are rising about mines in key oil and gas shipping lane the Strait of Hormuz, IG analyst Tony Sycamore said in a note. That could slow the process of reopening the strait and mean that relief comes more slowly for the oil market even after it is reopened. "Even if an agreement is reached, it won't deliver a flood of supply," Sycamore said. An Axios reporter said on X on Friday that Iran had dropped more mines in the strait earlier in the week, shortly after U.S. Defense Secretary Pete Hegseth said that attempts to lay more mines would be a violation of the ceasefire. Hormuz is a conduit for about a fifth of global oil and gas flows and Iran has effectively closed it since the conflict began with U.S. and ?Israeli strikes in February. Concerns over supply outweighed lacklustre economic data from China over the weekend, which showed stalling factory activity. This added to concerns the world's second-largest economy is losing momentum, weighed down by a contraction in exports and cost pressures.

Shivakumar, Siddaramaiah to take Karnataka Cabinet formation talks to Delhi

D.K. Shivakumar and outgoing Chief Minister Siddaramaiah expected make their choices known to the Congress central leadership

Bengaluru/Kalaburgi. Amid hectic parleys over formation of the Cabinet ahead of swearing in ceremony of the newly elected Congress Legislature Party leader D.K. Shivakumar on Wednesday (June 3, 2026), All India Congress Committee president Mallikarjun Kharge stated that the Cabinet formation will be done in phases. Meanwhile, the deliberations on Government formation are expected to shift to Delhi on Monday (June 1, 2026) with both Mr. Shivakumar and outgoing Chief Minister Siddaramaiah expected make their choices known to the Congress central leadership.

Its not me, but a party worker who is becoming CM, says DKS

Stating that the government formation might not happen in a single stroke, the Congress president told presspersons in Kalburagi that, "Plan is to induct ministers in a phased manner, completing one stage now, and then perhaps taking a gap of 15 days to a month before finalising the next batch of ministers. This is the thought process for now." He clarified that since no formal proposal has reached the Congress high command specifying whether 8 or 10 Ministers will be sworn in initially, they were also waiting. Mr. Kharge stated that clarity will emerge by Wednesday (June 3, 2026). He said

that the central leadership had not received any proposal officially yet. "Decisions will be made regarding how many Ministers need to be inducted, how many Deputy Chief Ministers are required, or whether the appointments of chairpersons to crucial State corporations should happen simultaneously will be decided after a concrete proposal," he clarified.Meanwhile, Mr. Shivakumar and Mr. Siddaramaiah, according to multiple sources, will be carrying their list of choices for the Cabinet berths during their visit to Delhi on Monday (June 1, 2026). The high command is also likely to intervene on behalf of some legislators to provide a finality to the list, sources said. "Though much is being speculated about the size and composition of the Cabinet or on Deputy Chief Ministers or KPCC president, nothing will be certain unless cleared by the central leadership," sources said. Mr. Shivakumar also told presspersons on Sunday (May 31) that the party high command will be taking a call on the contours of Cabinet formation.

D.K. Shivakumar | 'Rock' of Congress

A day after Mr. Shivakumar was unanimously elected as the leader of Congress Legislature Party, his residence on Sunday (May 31) saw a steady stream of Congress legislators and leaders arriving to wish the leader.. Nearly a dozen Ministers in the Cabinet of Outgoing Chief Minister Siddaramaiah visited the Sadashivanagar residence to wish him, sources said. "Not only the legislators wished him, but also subtly provided indications of their interest to remain in his Cabinet," said sources close to Mr. Shivakumar. Among Ministers in the Siddaramaiah Cabinet who met the CLP leader included Dinesh Gundurao, Madhu Bangarappa, H.K. Patil, Santhosh Lad and Mankal Vaidya and others. Some senior leaders, who had not made the Siddaramaiah's Cabinet, such as B..R. Patil, Tanveer Sait and Vijayanand Kashappanavar, also met Mr. Shivakumar seeking an opportunity as the government is left with little less than two years. The new CLP leader also visited the premises of old Congress Bhavan on Race Course Road for an inspection ahead of foundation stone laying ceremony for a new building on June 3 in which Congress president Mallikarjun M. Kharge and Leader of the Opposition in Rajya Sabha Rahul Gandhi are likely to take part.

Monsoon keeps India waiting, but brutal rain and hail to crash the party Today

While the official onset over the southern coast faces a brief delay of three to four days, diverse weather systems are triggering intense rain, thundersqualls, and hailstorms across multiple states. aAccording to the India Meteorological Department (IMD), heatwave conditions have completely abated across the nation, providing much-needed respite. The weather office noted that conditions remain highly favourable for the monsoon to progress further into the Arabian Sea, Lakshadweep, and parts of Kerala and Tamil Nadu. For Monday, June 1, the weather repository forecasts widespread atmospheric activity. Downpours will target the south peninsular pocket, with isolated heavy rainfall predicted for Kerala, Lakshadweep, Tamil Nadu, and South Interior Karnataka.

Simultaneously, the northeastern states of Nagaland, Manipur, izoram, and Tripura are on alert for isolated heavy showers. West India will also witness volatile conditions, as the Gujarat region braces for isolated heavy falls, while Maharashtra expects isolated hailstorms. In central parts of the country, West Madhya Pradesh faces a double whammy of heavy showers and isolated hailstorm activity. The weather office has issued warnings for severe thundersqualls in Odisha, with wind speeds reaching 60 to 70 kilometres per hour, gusting up to 80 kilometres per hour, accompanied by isolated hail. East Rajasthan will experience similar squally winds tracking up to 70 kilometres per hour. The maximum temperature is expected to hover comfortably below normal between 37 and 39 degrees Celsius, while the minimum will settle between 24 and 26 degrees Celsius. While central India will see a temperature drop of two to four degrees Celsius, northwestern regions must prepare for a gradual temperature spike of six to eight degrees Celsius later in the week. Fishermen are strictly advised not to venture into the choppy waters of the Arabian Sea and the Bay of Bengal.

इजराइल का लेबनान के 900 साल पुराने किले पर कब्जा

सैनिकों ने पहाड़ी पर झंडा फहराया, 26 साल में सबसे बड़ी घुसपैठ

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया है। इजराइली अधिकारियों की ओर से रविवार को जारी तस्वीरों और वीडियो में किले पर इजराइली झंडे लहराते दिखाई दिए। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना ने आसपास के गांवों में कई दिनों तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद यह कामयाबी हासिल की है। अल जजीरा के मुताबिक पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है। ब्यूफोर्ट किला 1982 से 2000 तक दक्षिणी लेबनान पर इजराइली कब्जे के दौरान उसकी सेना का एक प्रमुख सैन्य अड्डा था। 700 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बने इस किले से दक्षिणी लेबनान के अलावा इजराइल के बड़े हिस्से पर नजर रखी जा सकती है। इसलिए इसका सैन्य महत्व बहुत ज्यादा माना जाता है। इजराइल और लेबनान के बीच 17 अप्रैल को सीजफायर का ऐलान हुआ था। इसके बावजूद इजराइल ने हमले जारी रखे हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इजराइल किसी संभावित अमेरिका-ईरान समझौते से पहले हिजबुल्लाह को अधिकतम नुकसान पहुंचाना चाहता है।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

1. अमेरिकी ड्रोन गिराने का दावा: IRGC ने दावा किया है कि उसकी एयर डिफेंस यूनिट ने रविवार को ईरानी हवाई सीमा में घुसे अमेरिकी MQ-1 ड्रोन को मार गिराया।

2. ट्रम्प फैसला नहीं ले पाए: राष्ट्रपति ट्रम्प ने अधिकारियों के साथ व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में करीब दो घंटे तक बैठक की। इसके बाद भी ईरान के साथ संभावित समझौते पर अंतिम फैसला नहीं लिया।

3. अमेरिकी रक्षा मंत्री की चेतावनी: पीट हेगसेथ ने फिर चेतावनी दी है कि ईरान या तो समझौता स्वीकार करे या फिर बल प्रयोग का सामना करने के लिए तैयार रहे।

4. अमेरिका पर धोखा देने का आरोप: सुप्रीम लीडर के सलाहकार मोहसिन रजाई ने अमेरिका पर कूटनीति को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका समुद्री नाकाबंदी जारी रखकर बातचीत की प्रक्रिया के साथ धोखा कर रहा है।

5. होर्मुज में बारूदी सुरंग तैरती दिखी: ओमान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक संदिग्ध तैरती हुई समुद्री बारूदी सुरंग (फ्लोटिंग माइन) देखे जाने की जानकारी दी। जहाजों और मछुआरों को सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की।

ब्यूफोर्ट किले को जानिए जिस पर इजराइल ने कब्जा किया

ब्यूफोर्ट कैसल (ब्यूफोर्ट किला) दक्षिणी लेबनान में स्थित एक ऐतिहासिक पहाड़ी किला है। यह 700 मीटर एक ऊंची पहाड़ी पर बना है। यहां से आसपास के बड़े इलाके पर नजर रखी जा सकती है। इसी रणनीतिक महत्व के कारण सदियों से इस किले के लिए कई लड़ाइयां हुई हैं। इस किले का निर्माण 12वीं सदी में क्रूसेडर्स (ईसाई धर्म के लिए लड़ने वाले सैनिकों) ने किया था। उस समय इसका नाम बेल फोर्ट (सुंदर किला) रखा गया था, बाद में इसे ब्यूफोर्ट कहा जाने लगा। 1190 में मुस्लिम शासक सलाउद्दीन अय्यूबी ने इस किले पर कब्जा कर लिया था। आधुनिक दौर में भी यह किला संघर्ष का केंद्र बना रहा। 1982 में इजराइल के लेबनान पर हमले के दौरान यहां भीषण लड़ाई हुई थी। इसके बाद कई वर्षों तक इजराइली सेना और उसके सहयोगी बलों का इस क्षेत्र पर नियंत्रण रहा। वर्ष 2000 में इजराइल के दक्षिणी लेबनान से हटने के बाद किला फिर लेबनान के नियंत्रण में आ गया।

ट्रम्प बोले- जानबूझकर ईरानी सेना के खिलाफ सख्त एक्शन नहीं लिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, लोग यह सुनकर हैरान होंगे कि हमने ईरानी सेना को क्यों छोड़ा और उसके साथ इतनी नरमी क्यों बरती। ट्रम्प के मुताबिक, ईरानी सेना को देश की अन्य सरकारी संस्थाओं की तुलना में थोड़ी नरम है। उन्होंने कहा कि अगर किसी देश की सभी संस्थाओं और लोगों को पूरी तरह तबाह कर दिया जाए, तो वह देश कई पीढ़ियों तक दोबारा खड़ा नहीं हो पाता। ट्रम्प ने कहा कि इसी सोच के तहत अमेरिका ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई करते समय कुछ सीमाएं रखीं और ईरानी सेना को पूरी तरह निशाना नहीं बनाया। बता दें कि ईरानी सेना (अर्तेश) और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स दो अलग-अलग सैन्य संस्थाएं हैं। ईरानी सेना (अर्तेश) देश की पारंपरिक सेना है। वहीं IRGC की स्थापना 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद हुई थी। इसका मकसद सिर्फ देश की रक्षा करना नहीं, बल्कि इस्लामी व्यवस्था और क्रांति की रक्षा करना भी है। IRGC के पास अपनी अलग थल सेना, नौसेना, वायु एवं मिसाइल बल हैं। ट्रम्प के बयान में ईरानी सेना कहने का मतलब आम तौर पर अर्तेश से लिया जा सकता है। अमेरिका के अधिकांश हमले IRGCऔर उससे जुड़े ठिकानों पर केंद्रित रहे हैं। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि जब तक ईरान को यह भरोसा नहीं हो जाता कि उसके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं, तब तक अमेरिका के साथ किसी भी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी। गालिबाफ ने रविवार को कहा-हम किसी भी समझौते को तब तक मंजूरी नहीं देंगे, जब तक हमें यह यकीन न हो जाए कि उसमें ईरानी जनता के अधिकारों की रक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि ईरानी अधिकारियों को अमेरिका की बातों और उसके वादों पर भरोसा नहीं है।

अमेरिका ने ईरान जा रहे जहाज को रोका

अमेरिका ने ईरान की ओर जा रहे एक और मालवाहक जहाज को रोक दिया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, 'लियान स्टार' नाम का जहाज चेतावनी मिलने के बावजूद एक ईरानी बंदरगाह की तरफ बढ़ता रहा। इसके बाद अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में कार्रवाई कर जहाज को आगे बढ़ने से रोक दिया। फिलहाल जहाज समुद्र में फंसा हुआ है।

नेतन्याहू ने लेबनान में मारे गए सैनिक को श्रद्धांजलि दी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ड्रोन हमले में मारे गए 21 साल के इजराइली सैनिक माइकल ट्यूकिन को श्रद्धांजलि दी है। नेतन्याहू ने बयान में बताया कि माइकल ट्यूकिन 6 साल पहले यूक्रेन से इजराइल आए थे। देश सेवा की भावना से माइकल ने गिवाती रिकॉन यूनिट में कॉम्बैट सैनिक के तौर पर भर्ती ली थी। उन्होंने माइकल के परिवार के प्रति संवेदना जताई और घायल सैनिकों के जल्द ठीक होने की कामना की। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल अपने सैनिकों के साथ मजबूती से खड़ा है, जो फिलहाल मोर्चे पर तैनात हैं।

धोनी 3 करोड़ की कार से मसूरी पहुंचे

बेटी का समर कैंप में एडमिशन कराया, फैंस के साथ फोटो खिंचवाई, हाथ मिलाया

मसूरी। महेंद्र सिंह धोनी 3 करोड़ की लैंड रोवर डिफेंडर के साथ मसूरी में घूमते दिखे। जैसे ही फैंस को इसका पता चला तो वे भी स्टार क्रिकेटर से मिलने पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, धोनी अपनी बेटी जीवा सिंह धोनी का समर कैंप के लिए एक बोर्डिंग स्कूल में एडमिशन कराने आए थे। धोनी शनिवार को देहरादून से मसूरी के लिए रवाना हुए। देर शाम लालटिब्बा क्षेत्र स्थित एक होटल पहुंचे। यहां फैंस ने धोनी को घेर लिया। मोबाइल से उनकी तस्वीरें खींचने लगे। वीडियो बनाने लगे। कुछ लोगों को लगा कि रोहित शर्मा आए हुए हैं। वे जोर-जोर से 'रोहित शर्मा, रोहित शर्माज' चिल्लाने लगे। यह सुनकर धोनी हंस पड़े। समर कैंप जाते समय उन्होंने फैंस से हाथ भी मिलाया। इसके बाद वहां मौजूद एक बच्चे ने जब धोनी-धोनी कहा तो उन्होंने पीछे मुड़कर देखा और मुस्कुराने लगे। धोनी का मसूरी की सड़कों पर घूमते हुए एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे लोगों से मसूरी के बारे में जानकारी लेते और ऑटोग्राफ देते हुए दिख रहे हैं। इससे पहले धोनी 11 मार्च 2025 को मसूरी घूमने आए थे।

सांसद कल्याण बनर्जी का आरोप- बीजेपी समर्थकों ने हमला किया

सिर पर पत्थर मारा, कहा- निरंकुश सीएम अपने विरोधियों को खत्म करना चाहता है

हुगली। सांसद कल्याण बनर्जी हुगली के चंडीतला पुलिस स्टेशन में ज्ञापन सौंपने गए थे। उनका दावा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने मारपीट की। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन के बाहर बीजेपी समर्थकों ने उन पर हमला किया और उन्हें घायल कर दिया। बनर्जी हुगली में विधानसभा चुनावों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ ज्ञापन सौंपने के लिए चंडीतला पुलिस स्टेशन गए थे, जहां भीड़ ने उन्हें घेर लिया। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सामने आया, जिसमें कल्याण बनर्जी पहले पुलिस स्टेशन के बाहर नारे लगाते दिखे। बाद में वे सिर पकड़कर जमीन पर लेटते नजर आए। कुछ देर बाद वे इस हमले के विरोध में थाने के बाहर ही बैठ गए। उन्हें अपने सिर के पिछले हिस्से पर कपड़ा रखे हुए देखा गया।

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

बकरीद के दिन मारा था, सूर्या की मां बोलीं- लाश की फोटो दिखाओ, तब मानूंगी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई। बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। मारने से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? आओ, दिखाते हैं। इसका CCTV भी सामने आया था। वहीं, खोड़ा पुलिस ने 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें खोड़ा के रहने वाले नवाब (45), फरहान (19) और आतिफ (19) शामिल हैं। एनकाउंटर पर सूर्या की मां ने कहा- असद की लाश की फोटो दिखाओ, तभी मानूंगी कि उसका एनकाउंटर हुआ है। बाकी आरोपियों का भी एनकाउंटर होना चाहिए। दो समुदायों से जुड़े होने के चलते मामले ने तूल पकड़ लिया। यूपी सरकार में मंत्री सुनील कुमार शर्मा सूर्या के परिवार से मिले। उन्होंने कहा- प्रदेश में किसी अपराधी के लिए कोई जगह नहीं। सीएम योगी ने परिवार को 5 लाख रुपए देने ऐलान किया है।

परिवार के एक सदस्य को नगरपालिका में नौकरी भी दी जाएगी। पूर्व भाजपा विधायक संगीत सोम ने कहा कि यह हरकत जिहादी मानसिकता से की गई। पुलिस ने इस तरह की मानसिकता को जड़ से कुचल दिया है। अगर इसे नहीं रोका गया तो देश को पाकिस्तान और लेबनान बनने में देर नहीं लगेगी। सूर्या के घर हिंदूवादी संगठनों के लोग भी पहुंचे और नारेबाजी की। इसके चलते सूर्या के घर के बाहर RRF और पुलिस तैनात कर दी गई। बाजार बंद करा दिया गया। वहीं, असद का शव पोस्टमॉर्टम हाउस में रखा गया है। उसके घर पर ताला लगा है। परिवार के लोग घर छोड़कर भाग गए हैं।

कल 10 घंटे चला था हंगामा, डिप्टी सीएम ने कहा था- हत्यारों को बख्शेंगे नहीं

शनिवार को 10 घंटे हंगामा चला था। हिंदू संगठन सड़क पर उतर आए थे। परिजन ने सूर्या का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने देर शाम परिवार को समझाकर अंतिम संस्कार करवाया था। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था- हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी कार्रवाई की मांग की थी। प्रदेश में बढ़ते अपराध को लेकर सीएम योगी ने शनिवार देर शाम गाजियाबाद समेत 8 जिलों के अफसरों के साथ बैठक की थी।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमले में 5 गिरफ्तार

ममता बोलीं- हेलमेट नहीं होता तो जान चली जाती, भाजपा नेताओं-अफसरों ने डिस्चार्ज का दबाव बनाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई। ममता बनर्जी ने हमले को साजिश बताते हुए कहा कि अगर अभिषेक ने हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी जान जा सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में भर्ती अभिषेक को जल्द डिस्चार्ज कराने के लिए भाजपा नेताओं और पुलिस ने दबाव बनाया। अभिषेक पर शनिवार को दक्षिण सोनारपुर में हमला हुआ था, जहां वे चुनाव बाद हिंसा के पीड़ित कार्यकर्ताओं से मिलने गए थे।

ममता ने कहा- साउथ कोलकाता के DCP ने अस्पताल पर दबाव डाला

हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया। ममता भी उनसे मिलने पहुंचीं थी। अपोलो में डॉक्टरों ने अभिषेक को घर पर आराम की सलाह दी। बाद में उन्हें बेले व्यू अस्पताल ले जाया गया। अभिषेक से मिलने के बाद ममता बनर्जी ने शनिवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

ममता के 2 आरोप; बोलीं- अब घर पर इलाज

भाजपा नेताओं और दक्षिण कोलकाता के डीसीपी की ओर से डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन को धमकी भरे फोन आ रहे थे। अगर अभिषेक की हालत गंभीर नहीं थी तो उन्हें इंटेसिव थैरेपी यूनिट (आईटीयू) में क्यों रखा गया? फिर अचानक उन्हें अस्पताल से छुट्टी क्यों दी गई? अब अभिषेक का इलाज घर पर ही होगा। उनके घर पर ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य मेडिकल उपकरण लगाए गए हैं।

अभिषेक सोनारपुर में जहां गए थे, वहां चुनाव के बाद हिंसा हुई थी

दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित सोनारपुर बेहत संवेदनशील इलाका माना जाता है। यहां टीएमसी और बीजेपी के बीच चुनावों के दौरान और बाद में राजनीतिक हिंसा होती रही हैं। विधानसभा चुनाव 2026 के बाद मई में हुई हिंसा में सोनारपुर में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। वहीं सोनारपुर के कामराबाद नस्करपाड़ा इलाके में भाजपा कार्यकर्ता सौमेन दास के घर में आग लगा दी गई थी। सोनारपुर दक्षिण से भाजपा की रूपा गांगुली विधायक हैं। उन्होंने 2026 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी उम्मीदवार अरुंधति मैत्रा (लवली मैत्रा) को हराया था।

4 मई: बंगाल में पहली बार भाजपा को बहुमत मिला

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के 4 मई को आए रिजल्ट में भाजपा ने 294 में से 208 सीटें जीतकर पहली बार सरकार बनाई थी। अल्पसंख्यक सिर्फ 80 पर सिमट गई थी। अभिषेक बनर्जी के संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीट फालता में भाजपा ने सबसे बड़े अंतर से जीत का रिकॉर्ड बनाया था। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में BJP के पहले मुख्यमंत्री बने थे।

सरकार ने ऐसा कोई काम नही किया, जिससे सिर झुके: सीएम

पिछली सरकार के कारनामे रोज सामने आ रहे, कार्रवाई करके जेल में डाल रहे है

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- उनकी सरकार ने एक भी ऐसा काम नहीं किया है जिससे उनका सिर झुक जाए। उन्होंने कहा, चाहे केंद्र की सरकार हो या राज्य की सरकार, हम राजस्थान और देश के हित में काम कर रहे हैं। इसलिए सामने वाले को पूरी ताकत से जवाब दीजिए। सीएम भजनलाल शर्मा आज सीएमआर में पीएम मोदी के मन की बात को सुनने के बाद युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने युवा नेताओं से कहा- हम जनता की सेवा के लिए समर्पित भाव से काम कर रहे हैं। हमने कोई भी काम ऐसा नहीं किया, जिससे आपको झुकना पड़े। इसलिए सीना तानकर जनता के बीच जाइए।

पिछली सरकार के रोज कारनामे निकल रहे हैं

सीएम भजनलाल शर्मा ने पिछली सरकार पर निशाना साधा। सीएम ने कहा- पिछली सरकार में पेपर लीक की क्या स्थिति थी, यह सभी जानते हैं। आज करीब 400 से ज्यादा लोग पेपर लीक के आरोप में जेल में हैं। हमने कहा था कि ऐसे लोगों को माफ नहीं किया जाएगा, जिन्होंने युवाओं की आंखों में खून के आंसू दिए। आप लगातार देख रहे हैं, पिछली सरकार के रोज नए कारनामे निकल रहे हैं, जिन पर उनकी सरकार कार्रवाई कर रही है। ऐसे लोगों को जेल में डालने का काम उनकी सरकार कर रही है। उन्होंने दावा किया कि उनके कार्यकाल में 350 से ज्यादा पेपर हुए हैं, लेकिन अभी तक एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। सीएम ने युवाओं से गांव-गांव जाकर लोगों को विश्वास दिलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा- हमने जो कहा है, वो हम करके दिखाएंगे।

युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने साइकिल चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सीएमआर में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवा मोर्चा अध्यक्ष शंकर गोरा के साथ बड़ी संख्या में युवा मोर्चा पदाधिकारी साइकिल चलाकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पर्यावरण और ईंधन बचाने का जो आह्वान किया है, उसे धरातल पर सार्थक करने की दिशा में भाजयुमो का यह एक अहम कदम है। युवाओं ने इस यात्रा के जरिए यह संदेश दिया कि दैनिक जीवन में छोटी-छोटी पहलों से प्रकृति संरक्षण में बड़ा और सकारात्मक योगदान दिया जा सकता है। संवाद कार्यक्रम में राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

आरजीएचएस की पूर्व पीडी शिप्रा विक्रम के खिलाफ जांच शुरू

डिपार्टमेंट ने 4 सदस्यों की कमेटी बनाई; भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद सरकार का एक्शन

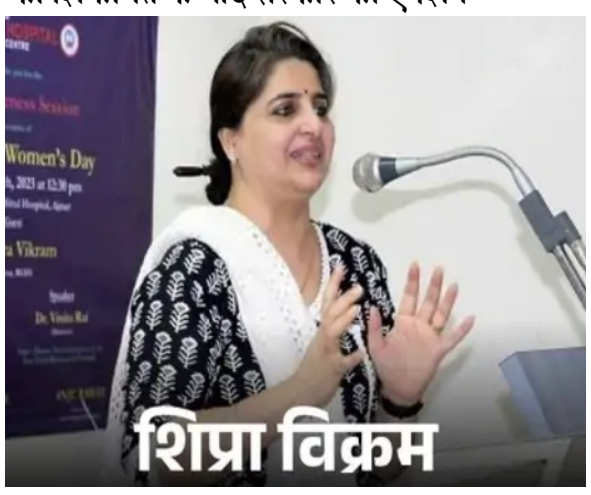

जयपुर। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम की पूर्व परियोजना निदेशक और वित्त विभाग की सीनियर अधिकारी शिप्रा विक्रम पर गाज गिर सकती है। आरजीएचएस में भ्रष्टाचार करने के मामले में पिछले साल उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। इसकी जांच सरकार ने अब शुरू करवा दी है। सूत्रों के मुताबिक- आरजीएचएसमें हॉस्पिटल और डायग्नोस्टिक सेंटर को इंपैनल करना और इंपैनल लिस्ट से बाहर करना, इंपैनल सेंटरों पर अनियमितता के खिलाफ कार्रवाई करके रिकवरी निकालना और बाद में उस रिकवरी को माफ कर देना जैसी गंभीर अनियमितताएं करने की शिकायत हुई थी। शिप्रा विक्रम लंबे समय तक आरजीएचएस में परियोजना अधिकारी रहीं और उनका जबरदस्त वर्चस्व रहा। कहा जाता है कि वे जब तक इस पद पर थीं, तब तक किसी भी सीनियर अधिकारी या कर्मचारी से सीधे बात तक नहीं करती थीं। इसे लेकर भी चिकित्सा और वित्त विभाग के कई अधिकारी काफी खफा थे।

इन अधिकारियों की बनाई कमेटी

मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट ने शिप्रा विक्रम के खिलाफ जांच के लिए 4 सदस्यों की कमेटी बनाई है। इसका अध्यक्ष राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के सीईओ को बनाया है। जबकि संयुक्त शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, कार्यकारी निदेशक (वित्त) राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी और कार्यकारी निदेशक (आईटी) राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी को सदस्य बनाया है।

वित्त विभाग में बड़ा वर्चस्व, इसलिए रुकी थी जांच

सूत्रों के मुताबिक- परियोजना निदेशक रही शिप्रा विक्रम का वित्त विभाग में बड़ा वर्चस्व रहा है। इस कारण वित्त विभाग के ही एक तत्कालीन सीनियर ऑफिसर भी उनके खिलाफ इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं कर सके थे। सूत्रों का कहना है कि उन सीनियर अधिकारी की तरफ से तैयार की गई इंटरनल रिपोर्ट के आधार पर शिप्रा विक्रम के खिलाफ सरकार ने जांच करवाने का फैसला किया है।

मदन राठौड़ बोले-आरएलपी समर्थकों की मंशा मेरी हत्या की थी

कहा- बेनीवाल के लिए मैं अकेला ही काफी हूं, ऐसे लोग राजनीति के लिए कलंक

जयपुर। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के कार्यकर्ताओं की मंशा तो मेरी हत्या करने की थी। उन्होने कहा कि मैं मेरी पार्टी के कार्यक्रम में जा रहा था। वो मेरा किस बात का विरोध कर रहे थे। राठौड़ ने कहा कि ऐसे लोग जिनकी शब्दावली ठीक नहीं है, वो लोग राजनीति के लिए कलंक हैं। मैंने यह बात कही थी कि राजनीति के शुद्धिकरण की आवश्यकता हैं। ऐसे लोगों को प्रेरित होने की आवश्यकता है। यह बातें मदन राठौड़ ने रविवार को प्रदेश बीजेपी कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि मेरे बारे में पूरा राजस्थान जानता है कि मैं कितना सरल हूं, अगर वो मुझे ज्ञापन देते तो मैं खुद उतरकर ज्ञापन लेने को भी तैयार था। लेकिन उन्होंने मेरी कार पर डंडे बरसाना शुरू कर दिया, तब मैं समझ गया कि उनकी मंशा तो मेरी हत्या करने की हैं, तब मैं बाहर क्यों निकलूं।

ऐसे लोग राजनीति के लिए कलंक

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि

मैंने पहले भी कहा है कि राजनीति में विरोध करो, विपक्ष का काम है विरोध करना है। इसमें कोई दिक्कत की बात नहीं है, लेकिन शब्द चयन ऐसे करो कि जब सामने मिलो तो नमस्ते तो हो जाए, नजरे नहीं झुकानी पड़े। शर्म तो नहीं आई कि मैंने इनके लिए क्या बोल दिया। कम से कम यह तो नहीं होना चाहिए।

मर्यादित और गरिमापूर्ण होना चाहिए विपक्ष

राठौड़ ने कहा कि हम तो लोकतंत्र के प्रशंसक है, विपक्ष भी होना चाहिए, तभी लोकतंत्र की सफलता है। लेकिन विपक्ष मर्यादित और गरिमापूर्ण होना चाहिए। कोई यह कहे कि बिजली के बिल मत भरो, मीटर रीडर आए तो उसे कूटो। ऐसे लोग समाज को क्या प्रेरणा देंगे।

पूरी दुनिया जानती है राहुल गांधी कैसे ट्रेनर

सोमवार को राहुल गांधी के पुष्कर दौरे को लेकर मदन राठौड़ ने कहा कि अगर हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से उनको प्रेरणा मिलती है तो अच्छी बात है। प्रशिक्षण तो होना चाहिए, लेकिन प्रशिक्षण में एक प्रशिक्षक (ट्रेनर) होता है और राहुल गांधी किस तरह के ट्रेनर हैं, यह पूरी दुनिया जानती है।

जागरूकता और सकारात्मकता देने वाला अभियान है 'मन की बात' कार्यक्रम

इससे पहले मदन राठौड़ ने आज(रविवार) प्रदेश बीजेपी कार्यालय में पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। उन्होने कहा कि मन की बात केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने और सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देने वाला अभियान है।

रविंद्र भाटी बोले- जेल भेजकर हमें दबा दोंगे, ये गलतफहमी

रामराज्य सरकार में राजा सो रहा है; इंटेलीजेंस- जिम्मेदारों का फेलियर था, कार्रवाई निर्दोष पीएसओ पर हुई

बाड़मेर। 19 मई को बाडमेर कलेक्ट्रेट में खुद पर पेट्रोल छिडकने के 10 दिन बाद उनके पीएसओ(पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर) नखत सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है। भाटी का कहना हैं- यह मेरे पीएसओ का नहीं, पूरे सिस्टम का फेलियर है। 19 मई के दिन कलेक्ट्रेट पर पूरा पुलिस जाब्ता, जिला प्रशासन के बड़े-बडे अधिकारी, एसपी से लेकर एएसपी, डीएसपी, मौका मजिस्ट्रेट, डीएसटी टीम मौजूद थी। लेकिन पूरा इंटलीजेंस फेल रहा। जिम्मेदार अफसरों ने अपने फेलियर और नाकामियों को दबाने के लिए एक निर्दोष कर्मचारी(पीएसओ) के खिलाफ कार्रवाई की। अगर उन्हें लडाई लडनी है, तो मेरे से लडनी चाहिए, मैं कबड्डी खेलने के लिए तैयार हूं। आज भी और कल भी तैयार रहूंगा। उनका कहना है- वर्तमान में कोई नया पीएसओ नहीं है। जनता ही मेरी सुरक्षा करेगी, जाको राखे साइयां मार सके ना कोई। पूरे मामले पर भाटी ने बातचीत की।

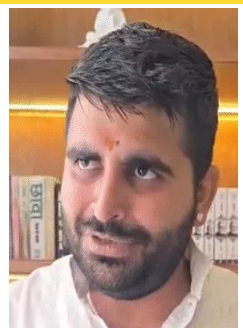

2 महीने से गिरल में धरने पर बैठे मजदूर

भाटी ने कहा- 2 महीने से गिरल में मजदूर धरने पर बैठे हैं। एक महीने से मैं भी वहां बैठा हूं। लेकिन राज्य सरकार गहरी नींद में सो रही है। सरकार की तरफ से कोई क्रिया-प्रतिक्रिया नहीं आई है। सरकार ने दमनकारी निर्णय लिए है। राजनीतिक द्वेषता और फ्रस्ट्रेशन के साथ जो स्टेप लेना था, वो सरकार ने लिए हैं। ओरण वाले विरोध प्रदर्शन के दौरान मेरी सिक्योरटी को हटा दिया। 19 मई की घटना का हवाला देते हुए मेरे पीएसओ जो निर्दोष कर्मचारी है, अब उसे सस्पेंड कर दिया। जनता की बात रखने के लिए हमें जनता ने ही भेजा है। जनता ने निर्दलीय होने के बावजूद हमें जिताया हैं, जिससे मैं यहां के वंचित, शोषित, गरीब की बात रख सकें। मैं नैतिक जिम्मेदारी और धर्म समझता हूं, राजधर्म समझता हूं। इन तमाम लोगों की बात को आगे रखूं। अगर सरकार को लगता है कि वे इस तरीके से दबाव बनाकर जनता, मजदूरों की आवाज को दबा देंगे तो उनकी बहुत बडी गलतफहमी है। राज्य की सरकार को विचार करना चाहिए कि वह कर क्या रही है।

विधायक ने 13 गुर्जरों के हत्यारे डकैत को बताया दोस्त

लाइन में खड़ाकर गोलियों से भूना था; फूल चढ़ाकर प्रीतम लोधी बोले-हम सुख-दुख के साथी थे

शिवपुरी। शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी ने 13 गुर्जरों को लाइन में खड़ा कर गोलियों से भून देने वाले कुख्यात डकैत को अपना दोस्त बताया। उन्होंने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर डकैत रामबाबू गड़रिया की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। भाजपा विधायक प्रीतम लोधी ने कहा- हम एक-दूसरे के सुख-दुख के साथी थे। रामबाबू की परिस्थितियों को मैं अच्छी तरह जानता था। समाज के कुछ लोगों ने उसे इतना प्रताड़ित किया कि वह डकैत बनने पर मजबूर हो गया। अन्यथा रामबाबू ऐसा व्यक्ति नहीं था, जो डकैत बनता। प्रीतम लोधी ने ये बातें शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित पाल-बघेल समाज के कार्यक्रम में कहीं। कार्यक्रम में लोकगायक मनोज बघेल भी मौजूद रहे। समारोह में समाज के हजारों लोग शामिल हुए। विधायक के इस बयान के बाद एक बार फिर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

ममता की बैठक में 80 में 60 विधायक नहीं पहुंचे

अभिषेक-कल्याण पर हमले के खिलाफ कल प्रदर्शन, पार्टी बोली- सभी एमएलए तैयारियों में जुटे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को टीएमसी विधायकों की बैठक बुलाई थी, लेकिन 80 में से सिर्फ 20 विधायक ही पहुंचे। यह बैठक दोपहर 3 बजे कोलकाता के कालीघाट स्थित ममता के आवास पर होनी थी, लेकिन 60 विधायकों के नहीं आने पर बैठक टाल दी गई। टीएमसी प्रवक्ता कुनाल घोष ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और सांसद कल्याण बनर्जी पर हुए हमलों के विरोध में 1 जून को राज्यभर में प्रदर्शन होना है। सभी विधायक इसकी तैयारी में व्यस्त थे। जो विधायक नहीं पहुंचे, उन्होंने पहले ही इसकी जानकार दे दी थी। कुनाल घोष ने बताया कि 2 जून को पार्टी ममता बनर्जी के नेतृत्व में कोलकाता के एस्प्लेनेड स्थित रानी रश्मोनी रोड पर सांकेतिक धरना करेगी। यह धरना चुनाव बाद हिंसा और राज्यभर में बुलडोजर के जरिए किए जा रहे हॉकर्स निष्कासन अभियान के खिलाफ रहेगा।

नेपाली पीएम बोले- हमने भी भारतीय जमीन पर कब्जा किया

सिर्फ भारत ने हमारे इलाके नहीं कब्जाए, विपक्षी पार्टी बोली- बालेन सबूत दिखाएं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। अब दोनों देशों को मिलकर इस मामले की जांच करनी चाहिए। बालेन पीएम बनने के 2 महीने बाद पहली बार नेपाली संसद को संबोधित कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें इस बारे में जानकारी मिली। उनके बयान को लेकर विपक्षी दल नाराज हो गए हैं। नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के कई सांसदों ने मांग की कि यह बयान संसद की कार्यवाही से हटाया जाए। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री या तो अपने दावे के समर्थन में सबूत दें या फिर बयान वापस लें। इसके बाद नेपाल के विदेश

मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा कि 'सीमा-पार कब्जा' से मतलब नो-मैन्स लैंड के उन इलाकों से है, जहां दोनों देशों के लोग रहकर खेती करते हैं।

लिपुलेख मुद्दे पर ब्रिटेन से मध्यस्थता की अपील की

प्रधानमंत्री से भारत और चीन के बीच लिपुलेख और लिम्पियाधुरा के रास्ते होने वाले व्यापार को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि विवाद का समाधान कूटनीतिक बातचीत से निकाला जाएगा।

नेपाल इस मुद्दे पर भारत को राजनयिक नोट भेज चुका है और भारत की ओर से जवाब भी मिल चुका है। उनके मुताबिक जवाब में बताया गया है कि भारत और नेपाल इतिहासकारों, सर्वे विशेषज्ञों और इलाके की जानकारी रखने वाले जानकार लोगों की टीमें बनाएंगे। ये टीमें बातचीत के जरिए सीमा विवाद का समाधान खोजने की कोशिश करेंगी। शाह ने कहा-हमने इस मुद्दे पर सिर्फ भारत और चीन से ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन सरकार से भी बात की है। हमारा मानना है कि ब्रिटेन को भी इसमें दिलचस्पी लेनी चाहिए, क्योंकि यह विवाद उस समय से जुड़ा है जब ब्रिटिश शासन इस इलाके को छोड़कर गया था। लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी का मुद्दा नेपाल में लंबे समय से संवेदनशील माना जाता है। जून 2020 में नेपाल की संसद ने एक नया नक्शा मंजूर किया था, जिसमें इन इलाकों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि नेपाल का दावा ऐतिहासिक तथ्यों और सबूतों पर आधारित नहीं है और यह स्वीकार्य नहीं है।

वडोदरा में चॉकलेट केबिन चलाने वाली गीता बनीं मेयर

गुजरात की15 महानगरपालिकाओं के मेयर और डिप्टी मेयर के नाम का ऐलान

अहमदाबाद। गुजरात में निकाय चुनाव परिणामों के लगभग एक महीने बाद अहमदाबाद, नवसारी, गांधीधाम, मोरबी, जामनगर, पोरबंदर, नडियाद और महेसाणा समेत 8 महानगरपालिकाओं में पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इसके बाद 28 मई को सूरत, वडोदरा, सुरेंद्रनगर, भावनगर, वापी, आणंद-करमसद और राजकोट के पदाधिकारियों के नाम का ऐलान किया गया है।

चॉकलेट गीता मकवाणा बनीं मेयर

गीता मकवाणा वडोदरा महानगरपालिका की मेयर बनाई गई हैं। वे मध्यमवर्गीय परिवार से हैं। 2 साल पहले भाजपा में सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में जुड़ने के बाद पार्टी ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। परिवार में सास, पति और 2 बच्चे हैं। पति उमेश मकवाणा 30 वर्ष से भाजपा के सक्रिय-वफादार कार्यकर्ता हैं। गीताबेन में छोटी चॉकलेट की केबिन चलाती हैं।

अहमदाबाद के मेयर सबसे कम पढ़े, मोरबी के मेयर सबसे युवा

15 मेयरों में 7 महिलाएं और 8 पुरुष हैं। मोरबी को उत्तम सुराणी नाम के सबसे कम उम्र 25 वर्ष के मेयर मिले हैं, जबकि नवसारी के मेयर सबसे अधिक 59 वर्ष के हैं।

फाइनल मैच के टिकटों की कालाबाजारी करते पांच को पकड़ा

अहमदाबाद। आइपीएल फाइनल मैच के टिकट की कालाबाजारी करते हुए शहर से पांच लोगों को पकड़ा गया है। उधर क्राइम ब्रांच की टीम ने भी दो लोगों को पकड़ा है। उनके पास से चार टिकट बरामद की हैं। पकड़े गए आरोपियों में एक का नाम मन पटेल (19) है। ये बोडकदेव में रहता है। दूसरे आरोपी का नाम सफीक उर्फ अंसारी (24) है। ये गोमतीपुर कामदार मैदान क्षेत्र का रहने वाला है। इन दोनों को क्राइम ब्रांच की टीम ने सिंधु भवन रोड से पकड़ा है। आरोप है कि ये तय कीमत से तीन से चार गुना कीमत पर आइपीएल फाइनल मैच की टिकट को बेचने की कोशिश में थे। उधर चांदखेड़ा पुलिस ने तीन लोगों को पकड़ा है। ये टिकट के दाम से तीन गुना तक ज्यादा दाम में टिकटों को बेचने की कोशिश कर रहे थे। न्यू सीजी रोड से दो लोगों को पकड़ा है। इनके पास से 3500 रुपए की दो टिकट मिली हैं, जिन्हें ये 15 हजार में बेचने की कोशिश में थे। इनकी सूचना के आधार पर एक और व्यक्ति को पकड़ा है।

गुजरातः आणंद में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का एक हिस्सा ढहा, बड़ा हादसा टला

आणंद। गुजरात के आणंद जिले के अडस गांव के पास बन रहे एक रेलवे ओवरब्रिज का एक हिस्सा शनिवार को गिर गया। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वडोद और अडस रोड स्टेशनों के बीच बन रहा यह आरओबी काफी समय से निर्माणाधीन था। शनिवार को दो खंभों के बीच बने एप्रोच स्ट्रक्चर का एक हिस्सा अचानक गिर गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

टल गया बड़ा हादसा

इस हादसे से निर्माणाधीन स्ट्रक्चर को काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि, उस समय पुल के नीचे से कोई वाहन या पैदल यात्री नहीं गुजर रहा था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के तुरंत बाद संबंधित एजेंसियों के अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे और पुल गिरने के कारणों की जांच शुरू कर दी।

अधिकारी ने बताई मामूली घटना

वडोदरा रेलवे डिवीजन के जनसंपर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना ने बताया कि वडोद और अडस रोड स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग नंबर 250 पर बन रहे इस **ROB** का काम वडोदरा डिवीजन की गति शक्ति यूनिट द्वारा किया जा रहा है। इसे एक मामूली घटना बताते हुए सक्सेना ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान एप्रोच गर्डर गिरने से यह हादसा हुआ और उन्होंने जोर देकर कहा कि मौके पर सुरक्षा के सभी निर्धारित उपायों का पालन किया जा रहा था।

बेंगलुरु लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियनः गुजरात को 5 विकेट से हराया

कोहली ने छक्का लगाकर जीत दिलाई, रसिख को 3 विकेट

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल जीत लिया है। उसने रविवार को फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। विराट कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली 75 रन पर नाबाद लौटे। बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। बेंगलुरु ने 2025 में इसी मैदान पर पंजाब किंग्स को हराकर खिताब जीता था। वह लगातार दो आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाली तीसरी टीम बन गई है। चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस भी ऐसा कर चुकी हैं।

कोहली-वेंकटेश के बीच 62 रन की पार्टनरशिप

156 रन के टारगेट का पीछा करते हुए आरसीबी को वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। अय्यर ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि कोहली ने शुरुआत से ही पारी को संभाले रखा। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 27 बॉल में 62 रन की साझेदारी हुई। देवदत्त पडिक्कल (1), रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पंड्या (1) जल्दी आउट हुए, लेकिन कोहली ने दूसरे छोर से रन बनाना जारी रखा। टिम डेविड ने 17 गेंदों में 24 रन की पारी खेलकर कोहली का साथ दिया। अंत में जितेश शर्मा (11*) के साथ कोहली ने टीम को जीत तक पहुंचाया। कोहली 42 गेंदों में 75 रन बनाकर नाबाद रहे।

सुंदर का अर्धशतक, रसिख को 3 विकेट

गुजरात टाइटंस की शुरुआत खराब रही और टीम ने 55 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए। शुभमन गिल (10), साई सुदर्शन (12) और निशांत सिंधु (20) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद जोस बटलर (19) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। हालांकि वॉशिंगटन सुंदर ने एक छोर संभालते हुए 37 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए और अर्शद खान (15) व जेसन होल्डर (7) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कर टीम को 20 ओवर में 155/8 तक पहुंचाया। आरसीबी के लिए रसिख सलाम सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 27 रन देकर 3 विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट झटके, जबकि क्रुणाल पंड्या को 1 सफलता मिली।

सूर्यवंशी को ऑरेंज कैप मिला

वैभव सूर्यवंशी को ऑरेंज कैप मिला। उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज के सबसे ज्यादा रन हैं। सूर्यवंशी के बाद गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल (732 रन) और साई सुदर्शन (722 रन) हैं। दोनों बैटर आउट हो चुके हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

गुजरातः शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, जेसन होल्डर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, अरशद खान और मोहम्मद सिराज।

बेंगलुरुः विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, रोमारियो शेफर्ड, जैकब डफी, जोश हेजलवुड और रसिख सलाम।

बेंगलुरु ने गुजरात को आईपीएल फाइनल में 5 विकेट से हराया

विराट कोहली ने फाइनल में विजयी छक्का लगाकर आरसीबी को लगातार दूसरे आईपीएल खिताब जिताया। 156 रन के टारगेट का पीछा करते हुए आरसीबी ने 18 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन बनाए। कोहली 42 गेंदों में 75 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने 18वें ओवर में पहले चौका लगाकर स्कोर बराबर किया और फिर अगली ही गेंद पर छक्का जड़कर मैच खत्म कर दिया।

कोहली को जीवनदान

विराट कोहली को 16वें ओवर में जीवनदान मिला। अरशद खान की गेंद पर कोहली का शॉट हवा में गया और शुभमन गिल ने आगे की ओर डाइव लगाकर कैच लेने का दावा किया। मामला थर्ड अंपायर के पास गया, जहां रिप्ले में गेंद का कुछ हिस्सा जमीन को छूता हुआ दिखा। इसके बाद कोहली को नॉट आउट करार दिया गया।

बेंगलुरु को पांचवां झटका

गुजरात टाइटंस को 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर सफलता मिली। अरशद खान ने टिम डेविड को 24 रन पर आउट कर ऋष्क्कको एक और झटका दिया। शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर डेविड ने ऑफ साइड में शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर जोस बटलर के दस्तानों में समा गई। मैदान पर अंपायर ने शुरुआत में आउट नहीं दिया, लेकिन गुजरात ने तुरंत रिव्यू लिया। अल्ट्राएज में साफ स्पाइक दिखने के बाद फैसला पलट गया और डेविड को पवेलियन लौटना पड़ा। 17 गेंदों में 24 रन बनाए।

कोहली की 25 बॉल में फिफ्टी

विराट कोहली ने फाइनल में सिर्फ 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह आईपीएल फाइनल में कोहली का सबसे तेज अर्धशतक है। कोहली ने अरशद की शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेला, जो शॉर्ट मिडविकेट के फील्डर के बाईं ओर से बाउंड्री के पार चला गया। पचासा पूरा करने के बाद कोहली ने बल्ला उठाकर दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया।

कोहली के लिए फिजियो मैदान पर आया

आरसीबी की पारी के दौरान विराट कोहली को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। दो रन पूरा करने के तुरंत बाद उन्होंने फिजियो को मैदान पर बुलाया। कोहली अपने दाएं हैमस्ट्रिंग/जांघ में हल्की परेशानी महसूस कर रहे थे। फिजियो ने उनका उपचार किया और उन्हें हाइड्रेट कराया।

राशिद ने एक ओवर में दो विकेट लिए

राशिद खान ने एक ही ओवर में दो विकेट ले लिए। नौवें ओवर में उन्होंने सिर्फ 3 रन दिए और दो विकेट झटककर गुजरात की मुकाबले में वापसी कराई। पहले राशिद ने कप्तान रजत पाटीदार (15) को लॉन्ग-ऑन पर कैच कराया, फिर क्रुणाल पंड्या (1) को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया।

बेंगलुरु ने पावरप्ले में 70 रन बनाए

आरसीबी ने पावरप्ले में 2 विकेट पर 70 रन बना लिए। शुरुआती ओवर में मोहम्मद सिराज ने स्विंग के साथ कसी हुई गेंदबाजी की, लेकिन इसके बाद विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर ने आक्रामक रुख अपनाया। रबाडा के एक ओवर में अय्यर ने 18 रन और दूसरे ओवर में कोहली ने 19 रन बटोर लिए। आरसीबी ने सिर्फ 21 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। वेंकटेश अय्यर ने 16 गेंदों में 32 रन की तेज पारी खेली, लेकिन सिराज ने उनका विकेट लेकर गुजरात को राहत दिलाई। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल भी रबाडा का शिकार बने। हालांकि कोहली ने पावरप्ले की आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर आरसीबी को 70 रन तक पहुंचा दिया।

रबाडा ने पडिक्कल को आउट किया

गुजरात को दूसरी सफलता कगिसो रबाडा ने दिलाई। छठे ओवर की पहली गेंद पर देवदत्त पडिक्कल 4 गेंदों में सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ गेंद पर पडिक्कल ने इनसाइड-आउट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर थर्ड मैन की दिशा में हवा में चली गई। वहां अरशद खान ने बाईं ओर दौड़ते हुए कैच लपका। इस विकेट के साथ रबाडा सीजन में 29 विकेट के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

बेंगलुरु का पहला विकेट गिरा

5वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने गुजरात को पहली सफलता दिलाई। तेज शुरुआत देने वाले वेंकटेश अय्यर 16 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। सिराज की शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलने की कोशिश में अय्यर गेंद को सही तरीके से टाइम नहीं कर सके और मिड-ऑन पर खड़े कगिसो रबाडा ने आसान कैच लपक लिया। हालांकि आउट होने से पहले अय्यर ने 4 चौकों और 2 छक्के लगाए।

बेंगलुरु का स्कोर 50 रन पार

विराट कोहली ने फाइनल में शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और कगिसो रबाडा के एक ओवर में मैच का रुख लगभग आरसीबी की ओर मोड़ दिया। चौथे ओवर में कोहली ने रबाडा की गेंदों पर तीन चौके और एक शानदार छक्का जड़ते हुए 19 रन बटोरे। इस ओवर के बाद आरसीबी का स्कोर बिना किसी नुकसान के 55 रन पहुंच गया, जबकि कोहली सिर्फ 10 गेंदों में 28 रन बना लिए हैं।

बेंगलुरु की पारी शुरू

आरसीबी ने टारगेट का पीछा करते हुए 3 ओवर में बिना विकेट खोए 36 रन बना लिए। तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज के खिलाफ बल्लेबाजों ने 13 रन बटोरे। विराट कोहली ने ओवर की पहली और तीसरी गेंद पर शानदार चौके लगाए, जबकि वेंकटेश अय्यर ने भी एक दमदार बाउंड्री जड़ी। अय्यर 13 गेंदों में 26 रन और कोहली 5 गेंदों में 9 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद रहे।

सुंदर की फिफ्टी

वॉशिंगटन सुंदर ने दबाव भरे मुकाबले में शानदार अर्धशतक पूरा किया। पारी के आखिरी ओवर में रसिख सलाम की फुल लेंथ गेंद पर सुंदर ने जोरदार ड्राइव लगाने की कोशिश की। गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पॉइंट के पास से निकल गई और एक रन मिल गया। इसी के साथ सुंदर ने 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

वटवा में घर से बंधी अवस्था में मिले शव की गुत्थी सुलझी, तीन गिरफ्तार

मकान में साथ में ही रहने वाले लोगों ने की थी हत्या, खाने में कीट निकलने पर हुआ था विवाद, सिर पर वार करने के बाद हाथ, पैर बांधे, मुंह में कपड़ा ठूंस कर हो गए थे फरार, जयपुर, आगरा, गुरुग्राम में बदलते रहे ठिकाना

अहमदाबाद। शहर के वटवा थाना क्षेत्र में 27 मई को गामडी रोड पर अयोध्या अपार्टमेंट के पास स्थित सतेज होम्स के एक बंद मकान से बंधी हुई अवस्था में मिले युवक के शव की गुत्थी को जोन-8 उपायुक्त की लोकल क्राइम ब्रांच ने सुलझाने का दावा किया है। इस मामले में चार लोगों को चिन्हित करते हुए उसमें से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी नाबालिग है।

जोन-8 उपायुक्त मयूर पाटिल ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि मृतक की शिनाख्त वडोदरा निवासी इमरान सिंघा के रूप में हुई। ये करीब दो साल से अपने परिजनों से अलग रहता था, किसी से संपर्क नहीं करता था। बंद मकान से शव बंधी हुई अवस्था में मिला था। मुंह में कपड़ा भरा था और दोनों हाथ व पैर नायलोन की डोरी से बंधे हुए थे। ऐसे में हत्या की आशंका थी। जांच में पता चला कि यह मकान किराए पर दिया है। ऐसे में मकान के मालिक हाथीजण निवासी रिषभ शर्मा (28) की शिकायत पर इस संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

खाने में कीट निकलने पर साथियों से हुआ था विवाद

प्राथमिक जांच में सामने आया कि इमरान सिंघा सतेज होम्स के मकान में उसके अन्य चार साथियों के साथ किराए पर रहता था। इसके लिए किराया करार किया था, जिसके आधार पर साथी लोगों की तलाश शुरू की गई, क्योंकि ये सभी घटना के बाद से फरार थे। जांच में सामने आया कि घटना वाले दिन रवि कुमार और नाबालिग किशोर ने खाना बनाया था। खाने में कीट निकलने पर इमरान ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अपशब्द कहे थे, जिसके चलते इमरान और रवि व किशोर व अन्य साथी विरेन्द्र सिंह, चंद्रमोहन के बीच कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने इमरान के सिर में ताले से वार कर दिया। इससे वह बेहोश हो गया। वह उठेगा तो उनके साथ मारपीट करेगा, यह सोचकर इन लोगों ने इमरान के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और नायलोन की डोरी से उसके हाथ पैर बांध दिए, फिर बाहर से मकान ताला बंद करके सभी फरार हो गए। ऐसे में इमरान की मौत हो गई।

जयपुर, आगरा, गुरुग्राम में भागते फिरे

आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद मोबाइल फोन, सिमकार्ड को तोड़ने के बाद जयपुर गए। वहां से आगरा, फिर फतेहाबाद, धौलपुर, मथुरा और वहां से गुरूग्राम गए। ये सभी लगातार लोकेशन बदल रहे थे। जोन-8 की एलसीबी टीम लगातार इन पर नजर रख रही थी। ये गुरुग्राम से बस से रवाना हुए थे। एलसीबी टीम ने बस का पीछा करते हुए पलवल से इन्हें पकड़ लिया। 30 मई को वटवा थाने में दर्ज मामले में गिरफ्तार कर लिया।

स्वामी एवं प्रकाशक महावीर प्रसाद पारीक एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 220, पारीकों का मोहल्ला, दीनदयाल पारीक, खिंवज नागौर, राजस्थान-341303 नागौर से प्रकाशित, संपादकः महावीर प्रसाद पारीक 9079775151, E-mail legalambit.ho@gmail.com, पीआरबी एक्ट के तहत खबरो के चयन के लिए जिम्मेदार* (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा)